অবতার

অন্তঃপ্রবাহী আর স্পর্শপ্রতাপী ডেকুবনাশক

হেক্সাকোনাজোল ৪% + জিনেব ৬৮% ডব্লিউপি

হেক্সাকোনাজল ৪% + জিনেব ৬৮% ডব্লিউপি (রোটেব পাউডার) হ'ল এবিধ ব্যাপক উপযোগী স্পর্শপ্রতাপী ডেকুবনাশক।

ব্যবহারর ব্যবস্থা আনুমোদনঃ

শস্য	রোগর সাধাবণ নাম	মাত্রা/হেক্টৰ				সেষ প্রয়োগৰ পৰা চাওনাৰ মাজৰ কাল দিনসময়িন
		স. উ. (গ্ৰাম)	ফৰ্মুলেশনৰ (গ্ৰাম)	পানী (লিটাৰ)		
ধান	চোকোলা পাতা দাগ, মুখা দাগ পৰা, ব্লাষ্ট, ধান ক'ষা পৰা	(৪০+৬৮০)-(৫০+৮২০)	১০০০-১২৫০	৫০০	৩৪	
চাহ	গাঢ় পাতা দাগ, ধূসৰ পাতা দাগ, গাঢ় পোৰা দোষ	২৫+৪২৫	৬২৫	২৫০-৫০০	৭	
আপেল	স্কেব, অশনিবিন্দুৰ পাতৰ সৰা, অশনিবিন্দুৰ পাতৰ দাগ/ব্লাষ্ট, পাতাগুটি মিলডিউ, ধূসৰ পাহ	২০০+৩৪০০	০.২৫% বা ২৫ গ্ৰাম/ ১০ লি. পানি	১০লি./গাছ	৩০	
চোমৰিয়া	লেটিচ লিফ ব্লাইট, চিকোৰিয়া ব্লাইট	৫০+৮৫০	১২৫০	৫০০	৪৩	
ভুৰুৰা	ডিচ স্পট, ব্লাষ্ট	৫০+৮৫০	১২৫০	৫০০	২৩	

প্ৰয়োগৰ নিয়ম, ব্যৱহাৰ কৰাৰ ধৰণ আৰু প্ৰয়োগৰ বাবে ব্যৱহাৰ কৰিবলগীয়া সঁজুলি: বোগৰ লক্ষণ দেখা দিলে দেখাৰ বিয়াৰ লগে লগেই ইয়াক স্প্ৰে কৰা উচিত। অনুমোদন জনোৱা অনুযায়ী এই ডেকুবনাশক আৰু পানী সঠিক মাত্ৰাত মিহলাই আৰু স্প্ৰে কৰিব। উচ্চ আয়তনৰ স্প্ৰেয়াৰ, যেনে নেপচেক স্প্ৰেয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰি স্প্ৰে কৰিব। ধান, মোমধান আৰু কণাহৰ বাবে প্ৰতি হেক্টৰত 500 লিটাৰ পানী ব্যৱহাৰ কৰিব। চাহগেঁতিৰ বাবে প্ৰতি হেক্টৰত 250-500 লিটাৰ পানী আৰু আপেলৰ বাবে 10 লিটাৰ/গছ হিচাপে ব্যৱহাৰ কৰিব। স্প্ৰে কৰাৰ আগতে ইয়াৰ দ্ৰৱণ কাঢ়ি মাৰিবে ভালকৈ মিহলাই লব।

উদ্ভিদিক বিষমাত্ৰা: আনুমোদন জনোৱা অনুযায়ী ব্যৱহাৰ কৰিবে ই উদ্ভিদৰ প্ৰতি বিষাক্ত নহয়।

সতৰ্কতা: 1.খুব, চড়া আলত উত্তাপৰ তলত ব্যৱহাৰ নাকৰিবা। 2.স্প্ৰে কৰাৰ সময়ত ইয়াৰ বাষ্প উশাহত নলবা। 3. স্প্ৰে কৰাৰ শেষত দুদিন কাপোৰ-কানি আৰু ধাৰ দিনত অশোধিত জলাবদ্ধ বৃষ্টি এৰি পেলাব। 4. স্প্ৰে কৰাৰ সময়ত কোনো ধৰণৰ খোৱা-বোৱা বা ধূমপান নকৰিব। 5. ব্যৱহাৰ কৰাৰ সময়ত সম্পূৰ্ণ সুৰক্ষিত সাজ-পোছাক পিন্ধিব লাগিব।

প্ৰতিষেধকীয় ব্যৱস্থা: 1. বনাৰ, কলৰ আৰু চাহৰ বাবে ব্লাষ্ট উৎপন্ন হোৱাৰ সময়ত ব্যৱহাৰ কৰিব লাগিব। 2. ব্যৱহাৰ কৰাৰ সময়ত কোনো ধৰণৰ খোৱা-বোৱা বা ধূমপান নকৰিব। 3. ব্যৱহাৰ কৰাৰ পৰা হাত-ভৰি ভালকৈ ধুব লাগিব। 4. ব্যৱহাৰ কৰাৰ পৰা কাপোৰ-কানি আৰু গাৰ ধুব লাগিব। 5. ব্যৱহাৰ কৰাৰ পৰা কাপোৰ-কানি আৰু গাৰ ধুব লাগিব। 6. ব্যৱহাৰ কৰাৰ পৰা বিষাক্ত কণা থকা বস্তু খাব নালাগিব।

বিষ ৰ লক্ষণ : ঘৰহাৰে পৰেশানী ঠৈন কংকপৰী আৰু এলৰ্জি কৰ লক্ষণ প্ৰকট হ'ব সকৈ ই। **প্ৰাথমিক চিকিৎসা:** 1. যদি নিগল যেন্ত্ৰ তো গলে কৈ পীছে গুদুগুদী কৰাকে ভেলী কৰাৰ্য যদি প্ৰকিয়া তৰ্ব তক ঢোকৰাই বেঁ যব তক ঢোকৰ দ্বাৰা নিকলা পৰ্যন্ত বাৰে বাৰে বমি কৰাব লাগিব। 2. যদি বিষ ৰ লক্ষণ দেখা দিয়ে তেন্তে তুৰন্তে ডাক্তৰ লগাব লাগিব।

Time of Application, manner of use and the plant protection equipment to be used: The product should be sprayed immediately on appearance of disease symptoms. As per recommendation, mix the pesticide and water at right dosage and spray. Spray by using high volume sprayer viz. Knapsack sprayer. Use 250-500 litres water per hectare for paddy, tea, maize, cotton and 10 lit./tree for apple. Before spraying the pesticide it's suspension should be mixed well in a wooden stick. **Phytotoxicity:** The Product is non-phytotoxic when used as per recommendation. **Precautions :** 1. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 2. Avoid inhalation while spraying. 3. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 4. Do not smoke, drink, eat nor chew anything while spraying. 5. Wear full protective clothing while handling. 6. The product is toxic to fish and aquatic invertebrates and thus should be avoided near aquaculture. **Symptoms of Poisoning :** Nervousness, anxiety, tremors, convulsion and allergic manifestations. **First Aid Measure :** 1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomit is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of clean water for about 10 to 15 Minutes. 4. If inhaled, get the victim into fresh air. **Antidote :** No specific antidote. Treat symptomatically. **Storage :** The package containing the fungicide should be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or should be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the fungicide. The rooms or premises meant for storing the fungicides should be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour. **Disposal of used container:** Packages or surplus materials and washings from the machines and containers shall be disposed off in such a manner so as to prevent environmental or water pollution. The used packages should not be left outside to prevent their re-use. Package should be buried away from habitation and source of water. **Other Ingredients : Component Contents (% w/w)** Hexaconazole a.i: 4.00, Zineb a.i.: 68.00, Sodium Ligno Sulphonate (Dispersing agent-1): 4.00, Sulfonated naphthalene condensate sodium salt (Dispersing agent-2): 3.00, Sodium alkyl naphthalene sulfonate (Wetting agent): 1.50, Silica (Fillers): 2.00, Sucrose (Fillers): Q.S., **Total: 100.00.**

Assame

अवतार

जटिलुकी स्पर्शी आर सेचनी डेकुवनाशक

हेक्सकोनाजोल 4% + झिंक 68% WP

हेक्सकोनाजोल 4% + झिंक 68% डब्लूपी

हेक्सकोनाजोल 4% + झिंक 68% डब्लूपी (ऐसेटी रुपांतरित पावडर) हा एक व्यापक उपयोगी स्पर्शपुरकी आणि सेचनी बुरशीनाशक आहे.

उपयोग आणि मात्रा:

पिक	रोग	डोस			
		एकर			
		मि.ली. (ग्रॅम)	ग्रॅम	लिटर	दिवस
भात	करपा, तपकिरी ठिपके, कुत्या, दाण्यावरील काजळी	(४०+६८०)-(५०+८५०)	१०००-१२५०	५००	३४
द्राक्ष	काळी कुज, तपकिरी करपा, करडे बुरशी	२५+४२५	६२५	२५०-५००	७
सफरचंद	स्कॅब, अकाली शेणगी पानगळ, पानावरील अल्टरनेरिया ब्लाइट करडे बुरशी	२००+३४००	०.२५% किंवा २५ ग्रॅम/१० लि. पाणी	१० लि./झाडे	३०
मका	मेडिस लीफ ब्लाईट, झिंक ब्लाईट	५०+८५०	१२५०	५००	४३
कापसपर्ण चित्ती/ बोल सडाचा		५० + ८५०	१२५०	५००	२३

उपयोग का समय, इस्तेमाल का तरीका, उपयोग करनेवाला पादकरक्षक साधन : इस का प्रयोग रोग के लक्षण दिखने पर तुरन्त छिडकाव करें। निर्देश अनुसार फुफूंदनाशक पानी मिलाकर पानी का उचित मात्रा में मिश्रण कर के छिडकाव करें। एक हेक्टर में चाय,धान,मक्का और कपास के लिये २५० से ५०० लिटर पानी का उपयोग करें तथा सेब के लिये १० लिटर प्रति पेड का उपयोग करें। दवा के छिडकाव से पहले, इसके घोलको अच्छी तरह एक लकडी द्वारा मिला लें। **वनस्पति दुष्परीणाम :** सुझाव के अनुसार दवा का प्रयोग करने से,फसल को कोई हानी नही पहुँचती है। **सावधानियाँ :** १.मुंह, आँखों और त्वचा से संपर्क से बचायें। २. छिडकाव करते समय साँस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। ३. छिडकाव करने के बाद दुषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं। ४. छिडकाव के समय धुम्रपान खाना तथा कुछ भी चबाना नही चाहिए। ५. प्रयोग करते समय पूर्ण सुरक्षाकम कपडे पहनें। ६. यह उत्पाद मछली और रीढविहीन जलचरों के लिए विषैला है इसलिये इसका उपयोग मत्स्यपालन क्षेत्र के पास करने से बचें। **विष के लक्षण :** घबराहट परेशानी ऐठन कंपकंपी और एलर्जी के लक्षण प्रकट हो सकते है। **प्राथमिक चिकीत्सा:** १. यदि निगल जाय तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न कराएं। २. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबून और पानी से धोएं। ३. यदि आँखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में साबून और पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि श्वास द्वारा अन्दर गयी है तो रोगी को तुरंत शुध्द वायु में ले जाएं। **विष निवारक :** कोई विशेष विषनिवारक उपलब्ध नही है। लक्षणानुसार इलाज करें। **भंडारण :** फुफूंदनाशक केमिकल को उनके प्रकार और प्रमाण के अनुसार अलग अलग कमरे में अथवा तालाबंद अलमारीयों में रखिए। फफूंदनाशक दवा के जगह खाने या पीनेवाली वस्तुया चिजों न रखें। जिस जगह दवा का भंडारण करना हो वो जगह या कमरा अच्छी तरह बंधा हुआ, सूखा, पर्याप्तरोशनीयुक्त तथा आवाजीत में लम्बा हो ताकी दवा की भंडारण से प्रदूषण का डर ना हो। **उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों का निवारण:** खाली डिब्बे, बची हुई दवा और छिडकाव मशीन धोने के बाद का पानी इस तरह से नाश करें जिससे पानी और वातावरण दूषित न हो। उपयोग किए गए डिब्बों को बाहर ना छोडे ताकि उनका दुबारा उपयोग न हो। डिब्बों को बस्ती और पानी के स्रोत से दूर जमीन में गाड दे। **रसायनिक संरचना: संरचना प्रमाण (% w/w)** हेक्सकोनाजोल उपलब्ध सक्रिय तत्व: ४.००, झायनेब सक्रिय तत्व: ६८.००, सोडीयम लिग्नो सल्फोनेट (डिस्पर्सरिंग एजंट-१): ४.००, सल्फोनेटेड नाफथालीन कन्डेन्सेट सोडीयम सॉल्ट (डिस्पर्सरिंग एजंट-२): ३.००, सोडीयम अल्कील नाफथालीन सल्फोनेट (वेटींग एजंट): १.५०, सिलिका (फीलसी): २.००, सुक्रोस (फीलर्स): पर्याप्त मात्रा, **कुल भार: १००.००.**

Hindi

अवतार

(अन्तर्वाही एवम् स्पर्शी फफूंदनाशक)

हेक्साकोनाजोल ४% + झायनेब ६८% डब्लू पि

हेक्साकोनाजोल ४% + झायनेब ६८% डब्लू. पि. (घुलनशील चूर्ण) यह एक बृहदकार्यक्षमा अंतरप्रवाही और स्पर्शी फफूंदनाशक है।

प्रयोग के लिए निर्देश :

फसल	रोग	मात्रा/हेक्टर			अंतिम छिड़काव तथा काटने के बीच प्रतिक्षा का समय (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्राम)	रचना (ग्राम)	पानी (लिटर)	
धान	पर्णछेद अंगमारी, भूरी चित्ती, सहस्रमारी रोग, दाँनो का बदरंग होना	(४०+६८०) (५०+८५०)	१०००-१२५०	५००	३४
चाय	काली सड़न, भूरापन अंगमारी, फफोला अंगमारी	२५+४२५	६२५	२५०-५००	७
सेब	स्कैब, प्रारंभिक पत्तझड़, अल्टरनेरिया पर्ण चित्ती/अंगमारी, चूर्ण फफूंदी, कोअर रोट	२००+३४००	०.२५% तथा २५ ग्रा/१० लि.पानी में	१० लि. प्रति पेड़	३०
मक्का	मेडिस लीफ ब्लाईट, ज़िंकब्लाईट	५०+८५०	१२५०	५००	४३
कपासपर्ण चित्ती/ बोल सड़ाव		५० + ८५०	१२५०	५००	२३

उपयोग का समय, इस्तेमाल का तरीका, उपयोग करनेवाला पादकरक्षक साधन : इस का प्रयोग रोग के लक्षण दिखने पर तुरन्त छिडकाव करें। निर्देश अनुसार फुफूंदनाशक पानी मिलाकर पानी का उचित मात्रा में मिश्रण कर के छिडकाव करें। एक हेक्टर में चाय,धान,मक्का और कपास के लिये २५० से ५०० लिटर पानी का उपयोग करें तथा सेब के लिये १० लिटर प्रति पेड का उपयोग करें। दवा के छिडकाव से पहले, इसके घोलको अच्छी तरह एक लकडी द्वारा मिला लें। **वनस्पति दुष्परीणाम :** सुझाव के अनुसार दवा का प्रयोग करने से,फसल को कोई हानी नही पहुँचती है। **सावधानियाँ :** १.मुंह,आँखों और त्वचा से संपर्क से बचायें। २. छिडकाव करते समय साँस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। ३. छिडकाव करने के बाद दुषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं। ४. छिडकाव के समय धुम्रपान खाना तथा कुछ भी चबाना नही चाहिए। ५. प्रयोग करते समय पूर्ण सुरक्षाकम कपडे पहनें। ६. यह उत्पाद मछली और रीढविहीन जलचरों के लिए विषैला है इसलिये इसका उपयोग मत्स्यपालन क्षेत्र के पास करने से बचें। **विष के लक्षण :** घबराहट परेशानी ऐठन कंपकंपी और एलर्जी के लक्षण प्रकट हो सकते है। **प्राथमिक चिकीत्सा:** १. यदि निगल जाय तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न कराएं। २. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबून और पानी से धोएं। ३. यदि आँखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में साबून और पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि श्वास द्वारा अन्दर गयी है तो रोगी को तुरंत शुध्द वायु में ले जाएं। **विष निवारक :** कोई विशेष विषनिवारक उपलब्ध नही है। लक्षणानुसार इलाज करें। **भंडारण :** फुफूंदनाशक केमिकल को उनके प्रकार और प्रमाण के अनुसार अलग अलग कमरे में अथवा तालाबंद अलमारीयों में रखिए। फफूंदनाशक दवा के जगह खाने या पीनेवाली वस्तुया चिजों न रखें। जिस जगह दवा का भंडारण करना हो वो जगह या कमरा अच्छी तरह बंधा हुआ, सूखा, पर्याप्तरोशनीयुक्त तथा आवाजीत में लम्बा हो ताकी दवा की भंडारण से प्रदूषण का डर ना हो। **उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों का निवारण:** खाली डिब्बे, बची हुई दवा और छिडकाव मशीन धोने के बाद का पानी इस तरह से नाश करें जिससे पानी और वातावरण दूषित न हो। उपयोग किए गए डिब्बों को बाहर ना छोडे ताकि उनका दुबारा उपयोग न हो। डिब्बों को बस्ती और पानी के स्रोत से दूर जमीन में गाड दे। **रसायनिक संरचना: संरचना प्रमाण (% w/w)** हेक्सकोनाजोल सक्रिय तत्व: ४.००, झायनेब सक्रिय तत्व: ६८.००, सोडीयम लिग्नो सल्फोनेट (डिस्पर्सरिंग एजंट-१): ४.००, सल्फोनेटेड नाफथालीन कन्डेन्सेट सोडीयम सॉल्ट (डिस्पर्सरिंग एजंट-२): ३.००, सोडीयम अल्कील नाफथालीन सल्फोनेट (वेटींग एजंट): १.५०, सिलिका (फीलसी): २.००, सुक्रोस (फीलर्स): पर्याप्त मात्रा, **कुल भार: १००.००.**

Marathi

अवतार

आंतरप्रवाही आणि स्पर्शीय बुरशीनाशक

हेक्साकोनाझोल ४% + झायनेब ६८% डब्ल्यू पी

हेक्साकोनाझोल ४% + झायनेब ६८% डब्ल्यू.पी. हे विस्तृत आवाका असलेले आंतरप्रवाही आणि स्पर्शप्रवाही बुरशीनाशक आहे.

वापरासाठी शिफारशी:

पीक	रोग	दर हेक्टरी मात्रा			शेवटच्या फवारणीपासून पीक तयार होईपर्यंतचा प्रतिक्षा कालावधी (दिवस)
		स.घ. (ग्राम)	रसायन (ग्राम)	पाणी (लिटर)	
भात	पर्णपात्यावरील करपा, तपकिरी ठिपके, कुत्या, दाण्यावरील काजळी	(४०+६८०)-(५०+८५०)	१०००-१२५०	५००	३४
चहा	काळी कुज, तपकिरी करपा, लीफ ब्लाईट	२५+४२५	६२५	२५०-५००	७
सफरचंद	स्कॅब, अकाली शेणगी पानगळ, पानावरील अल्टरनेरिया ब्लाइट, भुरी डाग, करडे बुरशी	२००+३४००	०.२५% किंवा २५ ग्रॅम/१० लि. पाणी	१० लि./ झाडे	३०
मका	मेडीस पानावरील करपा, टरसिकम करपा	५०+८५०	१२५०	५००	४३
कपाशी	पानावरील डाग, बोंड कुजणे	५०+८५०	१२५०	५००	२३

उपयोगाची वेळ, वापरण्याची पद्धत आणि वापरावयाचे पीक सुरक्षा उपकरण: रोगाची लक्षणे दिसू लागताच तांबडतोब या औषधाची फवारणी करण्यात यावी. शिफारशीनुसार बुरशीनाशक व पाणी यांचे योग्य मात्रेत मिश्रण करा व फवारणी करा.हाय व्हॉल्यूम स्प्रेअर जसे नॅपसॅक स्प्रेअर वापरावा करा.भात, मका आणि कपाशीसाठी दर हेक्टरी५०० लिटर पाण्याचा वापर करा.चहासाठी दर हेक्टरी २५०-५०० लिटर पाणी आणि सफरचंदासाठी १० लिटर / झाड पाण्याचा वापर करा. **इतर घटक:** अनुसारिकाची फवारणी करण्यापूर्वी त्याचे द्रावण एका लाकडी काठीने व्यवस्थित ढवळून घेतले पाहिजे. **वनस्पतीजन्य विषमयता:** शिफारशीनुसार वापर केल्यास हे उत्पादन वनस्पतीजन्य विषमयता नाही. **खबरदारी:** १. तोंड, डोळे आणि त्वचेबरोबर संपर्क टाळा.२.फवारणी करताना श्वासात जाऊ देऊ नका. ३.फवारा मारल्यानंतर दूषित झालेले कपडे आणि शरीराचे भाग जास्त पाणी व साबाने धुवा. ४. फवारणी सुरू असताना बिडीसिगरेट ओढू नका, काहीही खाऊपिऊ नका वा तंबाखू चघळू नका. ५. फवारणी करताना काहीही करण्यासाठी संपूर्ण सुरक्षात्मक कपडे वापरा. ६.हे उत्पादन मासे व मणक नसणारे जलचर यांच्यासाठी विषकारक आहे आणि त्यामुळे मत्स्यशेतीच्या जवळपास तयाचा वापर करु नये. **विषबाधेची लक्षणे:** अस्वस्थपणा,उत्तेजना, थरकाप, आकडी आणि ॲलर्जीक प्रतिक्रिया. **प्रथमोपचार उपाययोजना:** १. गिळलं गेलं असताना घशामध्ये मायाजाल बाजूला खणवून उलटी काढा. उलटीतून स्वच्छ पाणी येईपर्यंत उलट्या काढत रहा. रुग्ण जर शुद्धीवर नसेल तर उलट्या काढू नका. २.कपडे आणि त्वचा दूषित झालेले असल्यास कपडे काढून टाका आणि दूषित त्वचा साबणाने आणि पाण्याने खसखसून धुवा. ३. डोळ्यांच्या संपर्कात आल्यास स्वच्छ पाण्याने ते सुमारे १० ते १५ मिनिटे खळखळून धुवा. ४. बाधित रोग्याला विशीत व्यक्तिला मोकळ्या हवेत हलवा. **उतारा:** विशिष्ट उतारा शात नाही. लक्षणानुसार उपचार करा. **साठवणीच्या अटी:** बुरशीनाशक असणारे डबे हे इतर पदार्थ विशेषत: अन्नपदार्थ साठविण्यासाठी वापरण्यात येणाऱ्या खोल्या किंवा जागा यांच्यापासून दूर स्वतंत्र खोल्या किंवा जागा यांच्यामध्ये साठवून ठेवावेत किंवा बुरशीनाशकाचे प्रमाण किंवा स्वरूप यांच्यापासून वेगळ्या कपाटांमध्ये कडीकुलुपात बंद करून ठेवण्यात यावेत. बुरशीनाशक साठविण्यासाठी असणाऱ्या खोल्या किंवा जागा उत्तम बांधकाम असणाऱ्या हवेशीर, भरपूर प्रकाश असलेल्या आणि वायुजीवन असणाऱ्या आणि वाफांमुळे संसर्ग होण्याचे टाळण्यासाठी पुरेशा आकारमानाच्या असाव्यात. **वापरलेल्या डब्यांची विल्हेवाट:** पर्यावरण, पाणी यांचे प्रदूषण टाळण्यासाठी वापरलेले डबे, रासायणाच्या संपर्कात आलेले इतर पदार्थ (वस्तू) व यंत्रे यांची सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावा. पुनर्वापर टाळण्यासाठी वापरलेले डबे बाहेर उघड्यावर टाकू नका. यात पीकेज लोकवस्ती आणि पाण्याचा स्रोत यांच्यापासून दूर नेऊन जाळून टाकले पाहिजे. **रासायनिक संरचना: घटक द्रव्ये (%मा/मा)** हेक्साकोनाझोल सक्रिय तत्व: ४.००, झायनेब, स.घ.: ६८.००, सोडीयम लिग्नो सल्फोनेट (डिस्पर्सरिंग एजंट-१): ४.००, सल्फोनेटेड नाफथालीन कन्डेन्सेट सोडीयम सॉल्ट (डिस्पर्सरिंग एजंट-२): ३.००, सोडीयम अल्कील नाफथालीन सल्फोनेट (वेटींग एजंट): १.५०, सिलिका (फिलर्स): २.००, सुक्रोस (फिलर्स): उर्वरित भार, **एकूण: १००.००.**

Malayalam

అవతార్

సర్వవ్యాంగిలా, స్పర్శంగా కృమిలోనంగిలి

హెక్సాకోనాజోల్ 4% + జింక్ 68% WP

హెక్సాకోనాజోల్ 4% + జింక్ 68% డబ్ల్యూపి (ఎసిటేట్ కంపోజుడ్ పౌడర్) ఇది ఒక విశాల శ్రేణిగల కీటక మరియుతో అంతర్వ్యాప్త మరియు సంపర్క శిలీంధ్రనాశకమైనది.

ఉపయోగించేందుకు సిఫారసులు:

పంట	రోగం	డోసులు/ఎకరానికి			పిచ్చలవర్తి మధ్యల్లో ఇవ్వబడ్డది కనీస కాలం (రోజులు)
		స.గ్ర. (గ్రాములు)	ఫార్ములేషన్ (గ్రాములు)	నీరు (లీటర్లు)	
వరి	పత్రపు మచ్చ, పిలిచి మచ్చ, ఆగ్నిపోలు, కాండం కుళ్ళు	(40+680) (50+850)	1000-1250	500	34
పత్తి	కాండపై ఆంగమారి, కాండం కుళ్ళి చచ్చుట, చేరిన రోగాలు	(40+680) (50+850)	1000-1250	500	34
టీ	పచ్చని మచ్చ, గోధుమ మచ్చ, ఆగ్నిపోలు, బొట్టుపై ఆంగమారి	25+425	625	250-500	7
సేబు	పండ్ల మచ్చ, పండ్ల కుళ్ళు, ఆకుపచ్చ కుళ్ళు, ఆకుపచ్చ కుళ్ళు, ఆకుపచ్చ